



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—बाण 1
PART III—Section 1

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

३१९

सं. १७] नई विल्ली, मंगलवार, जून २६, १९८४/आषाढ़ ५, १९०६
No. 17] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 26, 1984/ASHADHA 5, 1906

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या वाले गती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्यालय, संघायक आयकर शाश्वत

(नियोजन) अर्जन रोज, कानपुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचनाएँ

कानपुर, २२ जून, १९८४

निदेश नं. एम 1502/83-84 :- अतः मुझे, जै० पौ०
होलारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ब के अधीन संक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी मं० ७९७। है
तथा जो हापुड़, या० बाद में स्थित है (शौर इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख २०-६-८३ को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से बाहू के दृष्यमान प्रतिकल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली
(अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, नियन्त्रित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, नियित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अंगत्र अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिली
द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या लिया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा हो लिए,

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मुं यामीन व मुं मोविन (अन्तरक)

पुद्रगण—छिदा मिस्त्री, हापुड़

जिला—गाजियाबाद

2. श्री निसार अहमद पुत्र, छिदा मिस्त्री (अन्तरक)

मोहू-कोटल, मेवतियान, हापुड़

जिला—गाजियाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्ट :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अवधि, या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनात्न होता हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिस्सी अर्कित द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अग्र अर्कित द्वारा अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधार पर 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होणा जो उस अधार पर दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं. 10-11, क्षेत्रफल 436 यां गज हापुड़, गाजियाबाद में स्थित है ।

तारीख : 22-6-84

मोहर :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

NOTICES UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kanpur, the 22nd June, 1984

Ref. No. M-1502/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 20-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Mohammad Yamin, Moh. Movin,
S/o Chhidda Mistri,
Hapur,
Ghaziabad.

(Transferor)

2. Shri Nisar Ahmad,
S/o Chhidda Mistri,
Mohala—Kotla Mewa Teyan,
Hapur,
Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 10-11, 436 Sq. Yards, Hapur,

Ghaziabad.

Dated : 22-6-84.

Seal :

निदेश नं० एम० 1503/83-84 :—अतः मुझे जो० पो० हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8108 है तथा जो हापुड़, गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए

अतः मग उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारा मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा :—

1. श्रीमती इन्दू बाला पत्नी श्री बीज भूषण शर्मा (अन्तरक) निं०—रेवती कुन्ज, हापुड़, पो०—हापुड़, जिला—गाजियाबाद

2. श्रीमती कृष्णा शर्मा पत्नी श्री अविनाश चंद शर्मा (अन्तरिती)

निं०—बिहारी बाजार हापुड़ पा०—हापुड़, जिला—गाजियाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या लक्ष्यमन्त्ती व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3 मकान एक मंजिल हापुड़, गाजियाबाद।

तारीख 27-6-84

माहूर

Ref. No. M-1503/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 8108 situated at Hapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur, on 27-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shrimati Indoo Bala,
W/o Shri Birj Bhushan Sharma,
R/o Rawti Kunj, Hapur,
Post Hapur,
Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

2. Shrimati Krishna Sharma,
W/o Shri Avinash Chand Sharma,
R/o Kherki Bazar Hapur,
Post Hapur,
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 3, Made House, Hapur, Ghaziabad.

Dated : 27-6-84.

Seal :

निवेश नं० एम-1510/83-84 :—असः मुझे जो० पी० हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है और जिसकी सं० 7481 है तथा जो करनपुर, वेहराहून में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय वेहराहून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ख के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री जगत सिंह (अन्तरक)
निवासी—499 छोल बाग, वेहराहून
2. श्री उमेश डिमरी, विनेश डिमरी (अन्तरिती)
पुत्र श्री बी० पी० डिमरी
नि०—51/1 हरिहार रोड, वेहराहून

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियाँ शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट करन पुर (हरिहार रोड) वेहराहून ।

तारीख : 22-6-1984

मोहर :

Ref. No. M-1510/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 14-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Baldeo Singh,
S/o Shri Jagat Singh,
R/o 499 Chabeel Bagh,
Dehradun.

(Transferor)

2. Shri Umesh Dimri and Dimri,
S/o Shri B. P. Dimri,
R/o 51/1 Hardwar Road,
Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

All that Land measuring 664.50 Karanpur,
Hardwar Road, Dehradun.

Dated : 22-6-84.

Seal :

निदेश नं० एम-1538/83-84 :—अतः मुझे जे० पी हूलीरी, अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं० 3937 है तथा जो हसनपुर भोवापुर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय दावरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टेक चंद पुत्र छिपा
नि०—हसन पुर, भोवापुर
इ०—मकन पुर लोनी (जि०)—गाजियाबाद (अन्तरक)
2. आशा पुष्प विहार सहकारी आवास समिति नि०—
भोवापुर 653 द्वारा सचिव जहांगीर • राजा
विलयम सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—ग्रा० हसनपुर, भोवापुर, प्र० लोनी
जि० गजियावाद

तारीख 22-6-84

मोहरः

Ref. No. M-1538/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 19-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Tek Chand,
S/o Chidda,
R/o Hasanpur, (Bhowapur),
Post Makanpur,
Distt. Ghaziabad. (Transferor)
2. Shri Asha Push Behar Sahkari,
Awash Samiti Ltd. Hasanpur, Bhowapur,
653 Through Jahagceer Rajavilam Singh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land Village : Hasanpur, Bhowapur,
Ghaziabad.

Dated : 22-6-84.

Seal :

निदेश नं० प-1755 के एन०पी० 83-84 :—प्रतः मुझे जो० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं० 1789 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों की जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट की किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के ग्रन्तुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बाबू लाल, बाल किशन, पुत्रगण
श्री नरोत्तम दास, व अन्य
निवासी—मोती कटरा, आगरा (अन्तरक)
2. राम भरोसे लाल, दीनानाथ
राम निवास, व लक्ष्मी नारायण पुष्प श्री द्वारिका प्रसाद
निं—खैरागढ़, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वी अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदर्शनाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभायित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :—

मकान—खैरागढ़

तारीख : 22-6-1984

मोहर :

No. A-1755|KNP|83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 1789 situated at Agra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 6-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Babu Lal & Bal Kishan,
S/o Shri Narottam Dass & other,
R/o Moti Katra, Agra.
(Transferor)
2. Shri Ram Bharosey Lal, Dina Nath,
Ram Niwas & Laxmi Narain,
S/o Shri Dwarika Prasad,
Post : Khairagarh,
Distt. Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Khairagarh.

Date : 22-6-84.

Seal :

निदेश नं०..... अतः
मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त-अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ० के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3077 है तथा जो अतरीकी में स्थित है (और इससे उपाकरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अतरीकी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से दृई किसी आय की वावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 अ० के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 अ० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिव चरन पूर्व श्री राम
निवासी ग्राम—नौगवां, पोस्ट—खास
तहसील—अतरीकी, जिला—अलीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमती कुमुमा देवी पत्नी श्री स्टेर्ट राम
निवासी पोस्ट—खास
तहसील व जिला—गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जों आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

मनुसूची :

भूमि

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No.Whereas I,
J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing number 3077 situated at Aturali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 21-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :--

1. S|Shri Shiv Chauhan s/o Shri Ram R/o Vill.—Naugawan, Post Khas, Tehsil Aturali—Distt. Aligarh.
(Transferor)
2. Smt. Kusuma Devi w/o Sh. Chalu Ram R/o Post Khas, Tehsil & Distt. Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land.

Date : 22-6-84.

Seal :

निदेश सं० अतः मुझे जे०प० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3695/83 रु० है तथा जो ज्ञांसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, ज्ञांसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नहीं पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कल्पित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी अथ की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आक्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ख के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती बेनी बाई पत्नी स्व० श्री बैजनाथ निवासी 207 चलौगा, ज्ञांसी व अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती गोला देवी पत्नी श्री कामता प्रसाद निवासी- चकनगंज, खीरी बाजार, ज्ञांसी - उ०प्र० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त पाबदों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

के अध्याय 20 के में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
भूमि

तारीख : 23-6-84

मोहर :

Ref. No. —Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 3695/83 situated at Jhansi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 29-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Beni Bai w/o Late Shri Baijnath R/o 207, Valanga, Jhansi & others.
(Transferor)
2. Smt. Sheela Devi w/o Sh. Kamta Prasad R/o Chaman Ganj, Khiri Bazar, Jhansi—U.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE Land

Date : 22-6-84

Seal :

निदेश नं० अतः मुझे ज०पी० हिनोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000 रु० में अधिक है और जिसकी सं० 21901 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इससे उपालदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिनियम के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-9-83 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त, अन्तरण, निखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दिल्ली में कामी करने या उससे वर्तने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या विस्तीर्ण या अन्य आँकड़ों की जिन्हें भास्तव्य आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्रीमती श्याम मुद्रण व श्री सत्यदेव पाठ्य श्री रघुवीर पुत्रगण श्री भीमसेन निं०-१४० मोजा करनेठा मू० त० व जिला, आगरा (अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कृमि:रो ईश्वर सहकारी आ०स०लि०,
आगरा व जरिए सचिव, जय किशोर शर्मा,
आगरा (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त
सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी शवधि बाद में सनात्त होती है,
के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्धि विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधो-
हस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा
सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
भूमि

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No. .—Whereas I,
J. P. Hilori being the Competent Authority under
section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the said Act), have
reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
number as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Agra on 17-9-83 for an apparent consider-
ation which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consider-
ation and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S|Shri Shyam Sunder & Satyadeo & Raghbir
S/o Bhimsen R/o 140 Mauja—Kakretha
Tehsil & District—AGRA. (Transferor)
2. S|Shri Ishwar Sahkari Awas Samiti Ltd. c/o
Sachiv—Jai Kishore Sharma, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land

Date : 22-6-84

Seal :

निर्देश नं० . . . अतः मुझे जे०पी० हिलोरी, अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3443 है तथा जो शिकोहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रसजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिकोहाबाद में, रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरंगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचाव में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. श्री मुहम्मद पुत्र श्री यासीन खां,
निः—कटरा मीरा, शिकोहाबाद,
जिला—मैनपुरी ; (अन्तरक)

2. श्री मिथ्लेश कुमार पुत्र डा० बाबू सिहव अन्य.
निवासी—मोहल्ला—गड़ेया
शिकोहाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याविहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरधीं व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर जम्मति

में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तात्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No.

Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikohabad on 10-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Mukhtar Ahmed S/o Shri Yasin Khan R/o Katra Meera, Shikohabad Distt.—Mainpuri.

(Transferor)

2. S/Shri Mithlesh Kumar S/o Dr. Babu Singh & Others R/o Mohalla—Gariya Shikohabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land

Date : 22-6-84.

Seal :

निदेश नं० प-1677/के०पन०पी०/83-84:—असः मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं० 22257 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निर्मांजित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निर्भात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या, मैं भुविधा के उससे बचने के लिए, और/या

(ख) ऐसे किस आय या किनी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री हरीषचन्द्र, रमेश चन्द्र, व रतन चन्द्र पुत्र श्री लोकू राम कथपाल 17/6 घटिया छिली इंट रोड, आगरा (अन्तरक)
2. श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी स्व० श्री शिज किशोर रस्तोगी, 17/277/छिली इंट रोड, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्वांधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधो-हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० पुराना 3229/2179 नया 17/4
छिली इंट रोड, हरी पर्वत वाड़, आगरा

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No. A-1677|KNP|83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Agra on 26-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S|Shri Harish Chandra, Ramesh Chand & Ratan Chand S/o Shri Loku Ram Kathpal 17/4 Ghatia Chhili Int Road, Agra.
(Transferor)
2. Smt. Rameshwari Devi w/o Late Shri Brij Kishore Rastogi 17/277 Chhili Int Road, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. old 3229/2179 New 17/4 Chhili Int Road, Hari Parbat ward, Agra.

Date : 22-6-84.

Seal :

निदेश सं. ए-1699/कॉर्ट०प०१०/83-84 :—अतः मुझे ज०पी० हिंदोरी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के शब्दों सम्बन्धीय कारणों यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी मं. 10172 है तथा जां फिरोजाबाद में स्थित है (और इससे उपचार घटनाक्रम में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्टी अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्री-ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्वित के लिए, और/या
- (ख) ऐसे दिग्गजों आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती हारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसार, 5 उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपर्याहा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल पुत्र सेठ जगनाथ निवासी दुनिं, फिरोजाबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती कमलेश मुखार्जी पत्नी सत्या प्रकाश निवासी, लघी बस्ती/फिरोजाबाद (अन्तरिती)

को यह सूनता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्भीर में कोई भी आक्षय :—

- (न) इस भूमत के उपरान्त में प्राप्ति को तारोत्तम से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों

पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक भी समाप्त हानों हाई, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों से भी रिसी अक्षित के द्वारा।

(ब्र) इस सुन्दर के राजपत्र में प्रकाशित को नारीय के 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर समर्पिति में हितवृद्ध कियो अन्य अविक्षित द्वारा अधी-हस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—हसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो श्रावन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधार्य 20 न में परिभ्रामित है, वही अर्थ हांगा जो उस अधार्य में दिया गया है।

શ્રીમતી

महाराज बाके स्वेशन राड, किरोजाबाद

तारीख : 22-6-84

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

Ref. No. A-1649|KNP|83-84.—Whereas 1,
J. P. Hilori being the Competent Authority under
section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the said Act), have
reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
number as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Firozabad on 9-8-83 for an apparent con-
sideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Mohan Lal S/o Seth Jagannath R/o
Duli, Firozabad & others. (Transferor)

2. Smt. Kamlesh Kumari w/o Satya Prakash.
R/o Naibasti, Firozabad. (Transcriber)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House Property Station Road, Firozabad.

Date : 22-6-84.

Seal :

निदेश नं० प्र-1799/कोण्ठन०पी०/83-८४:—अतः मुझे
जे०पी० हिलौरी, भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
को धारा 269 व के अधीन दूसरे प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्वास्थ्य नापति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी
सं० 22294 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इससे
उपावस्थ अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 15) के अधीन नं०रीख 27-4-83 का
पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वस के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और नुस्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथःपूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल
के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिकल, जिम्मलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण,
निखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं लिया गया है।

(क) अन्तरण में हुई विसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में बनी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(व) ऐसे किसी अंत्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम,

1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कल्यान सिंह, पुत्र गुद्दौ राम, अन्तरक कमला नगर के पास, आगरा

2. श्री संगठन सहकारी आवास समिति लि. आगरा
सचिव—सन्तोष कुमार पुत्र अमर सिंह
लि. वेस्ट अर्जुन नगर, आगरा अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No. A-1799/KNP/33-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a

fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- 1. Shri Kalyan Singh, S/o Gutti Ram, Near Kamla Nagar, (Agra). (Transferor)
- 2. Shri Sangthan Sahkari Awas Samiti Ltd. Agra Sachiv—Santosh Kumar, S/o Amar Singh, R/o West Arjun Nagar, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land

Date : 22-6-84

Seal :

निदेश नं० ए०-१८००/के०एन०प००/८३-४ :- अन्-
मुझे, जे० जी० हिलारो, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१
का ४३) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
गया है) को धारा २६९-घ के अधीन सक्षम आधिकारी का
यह विश्व.स लगाने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका
उचित वाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है, पौर जिले के
सं० ९९५४ है तथा जो अग्ररा ने स्थित है (और इसे
उपायदल अन्तर्गत में पौर भूमि वा क्षेत्र के रूप में वर्णा है), रजिस्टर अधीकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
१९०८ (१९०८ का १०) के अधीन तारीख १२-९-८३ को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव
प्रतिफल के लिए अनुग्रह की गई है और मुझे यह विश्व.स
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति हो उचित वाजार
मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण,
लिखित में व स्थिति रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बचान, आवकर
अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन
कर देने के अन्तरक वा दायित्व में रुमों करने वा
उन्हें बचाने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन वा ग्राव्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या आवकर अधिनियम, १९६१
(१९६१ का ४३) वा धन-कर अधिनियम, १९५७
(१९५७ का २७) के प्रत्योक्तार्थ अन्तरियों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिखित में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा २६९-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उप-
धारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

१. श्री गोविन्द पाल सिंह पुन्न श्री जय सिंह पाल सिंह,
नि० ग्राम--जातौ, न० व प० निग्राजाबाद, जिला अग्ररा
(अन्तरक)

२. श्रीमनो नवतिथि पत्ती राजेन्द्र पाल सिंह, निवासी
ग्राम--गढ़ी, हंसराम न० फिरोजाबाद

(अन्तरियों)

को यह सूचना आरी रक्के दूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही युक्त रहना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में
कोई भी आक्षेत्र :-

- (क) इस गूचे के राजपत्र में प्राप्त की तरहें
में १५ दिन की अवधि, या नस्मन्दी व्यक्तियों पर
सूचना की नामों वा ३० दिन की अवधि, जो एवं
अवधि व व द में गवाल होती है, के भी एवं पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से निम्न व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्त की तरहें
के ४५ दिन के भीतर उक्त स्थ वर सम्पत्ति में
हिन्दू फूली अन्द्र व्यक्ति द्वारा अव्याहस्त अर्जन के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें ग्रामी और पर्यावरण का, जो
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के अध्याय
२०के भी परिमापित है, वहाँ अवै हुआ जा उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट

तारीख : २२-६-८४

भौहर :

Ref. No. A-1800|KNP|83-84.—Whereas J. J. P.
Hilori, being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act), have reason
to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Agra on 12-9-83 for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for the
acquisition of the aforesaid property by the issue of
this notice under sub-section (1) of section 269-D
of the said Act to the following persons, namely :—

- 1. Shri Govind Pal Singh, S/o Shri Jay Singh
Pal Singh, R/o Village—Jatau Nizajabad
District- -Agra.
(Transferor)
- 2. Smt. Nav Nidhi, W/o Rajendra Pal Singh, R/o
Village—Gärhi Hansram Tehsil—Firozabad
and others.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot

Date : 22-6-84

Seal :

निदेश नं० प्र-1806/के०पत्र०फी०/83-84:—अन्तः सुसू. जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खे के अधीन मकान प्राप्ति-वारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० 2017 है तथा जो जालौन में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूचे में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीलरी अधिकारी के कार्यालय जालौन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरोंख 29-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरियों (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है।

- अन्तरण में हुई किसी आय की वापन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अन्नियों की जिन्हें भास्त्रीय दस्तावेर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम,

1957 (1957 का 55) के प्रधानमंत्री अन्तरियों द्वारा प्रवाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए।

अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-का की उपर्युक्त (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री रंजन्त्र कुमार अग्रवाल पुत्र बीरेन्द्र कुमार अग्रवाल मू० नर्साम्ब स्कॉर, पर० व त०—जालौन (अन्तरक)

2. श्री नवीन, पुत्र रहेम खां मू० नर्साम्ब स्कॉर, नर्सव—जालौन (अन्तरियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों ग्रुप बाजार है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नतम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थ घर सम्पत्ति में हिन्दबढ़ किलो अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के प.स. लिखित में किया जा सके।

स्पष्टांकण :—इसमें श्रुकन शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन २०-का में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान

तारीख : 22-6-84

माहूर :

Ref. No. A-1806/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalaun on 29-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S|Shri Rajendra Kumar Agrawal, S/o Virendra Kumar Agrawal, Narobhaskar, District—Jalaun.
(Transferor)
2. S|Shri Navi Khan, S/o Rahim Khan, Narobhaskar, District—Jalaun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House Property.

Date : 22-6-84

Seal :

निदणन नं० ए-1823/फ०ग०पी०/83-84 :—अतः मुझे, जें पी० हिलीरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22209 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इससे उगावद्व अनुसूना में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यांकियों, अर्थात् :—

1. श्री कुंवरपाल व दुर्गादास, पुत्र श्री खानी, निं० लगला हयोली, भजरा जगनपुर, मू० व त० आगरा (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी श्रीलोरा लहकारी आवास अमित निं०, आगरा, सर्विव—श्री सुनील कुमार गर्ग, पुत्र कैलाश नाथ गर्ग, निं० वांग मुजफर खां, जिला आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जानी वारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में गमान होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ब) इप सूचना के द्वारा में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अल्प व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताखरी के नाम निबिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—गमें प्रान्त शब्दों और पदों का, जो आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No. A-1823|KNP|83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 27-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S|Shri Kunwar Pal & Durgadas, S/o Khati, R/o Nagla Haveli, Mazra Jagannpur, Agra.
(Transferor)
2. S|Shri Alora Sahkari Awas Simiti Ltd, Agra, Sachiv—Shri Sunil Kumar Garg, S/o Kailash Nath Garg, R/o Bag Muzzafar Khan, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot

Date : 22-6-84

Seal :

निदेश नं० के०-३७१/८३-८४.—ग्रत: मुझे, जे० पी० हिलोरी, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपाता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 18329 है तथा जो काकादेव, कानपुर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 . (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-83 को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुसूचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निबिन में वास्तविक स्पष्ट से कार्यत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दृष्टि किसी आय की बाबत, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम

1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तर्गिती व्यापार प्रबंध नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिंगारे में सुविधा है निम्।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य को उपराग (1) के अधीन, निम्ननिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश सिंह, पुत्र श्री अर्जुन सिंह (अन्तर्क्रम) 40/66, परेड, कानपुर
2. श्रीमति कृष्ण सिंह, पत्नी श्री शिव प्रताप सिंह, ति. 120/601-बी, लाजपत नगर, कानपुर

को यह सूचना जागी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तगड़मध्यी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हाता।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवट किसी व्यक्ति द्वारा ग्रांटहस्ताक्षर के पास विधिवाली में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं. 423, ओ-ब्लॉक, काकाडेव, कानपुर

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No. K-371/83-84.—Whereas I. J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Jagdish Singh, S/o Shri Arjun Singh 40/66, Parade, Kanpur. (Transferor)
2. Smt. Krishna Singh, W/o Shri Shiv Pratap Singh, 120/601-B Lajpat Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 423, O-Block, Kakadeo, Kanpur.

Date : 22-6-84

Seal :

निदेश नं. के-372/83-84 :—अतः मृश, ले. ० पी.० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी मं. 18333 है तथा जो दहोरी गुजानपुर, मानपुर में स्थित है (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यहि विषेशाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक स्पष्ट में कहित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वावत, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राव या किसी धन या अन्य व्याप्तियों की जिन्हें भागदीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधेंजतार्थ प्रत्यरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अन्. अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, प्राप्ति—

1. श्री गंगा प्रसाद, पुत्र श्री अमान, (अन्तरक) गिवासी—टटिया भगवन्त, मौजा चन्दारी, जिला कानपुर
2. दीक्षर्ता हार्त्तिग कोआपरेटिव (अन्तरिती) मॉसाइटी निं०, 77/1, हालमी रोड, कानपुर द्वारा श्री कृष्ण एक्सेंगर, मैकड़ी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पति में हितवद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कें।

संपादन:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मान 4 बीघा, 1 विस्ता : वाके मांजा दहना सुनानपुर, जिला कानपुर।

तारीख : 22-6-84

मोहर :

Ref. No. K-372/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 15-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Ganga Prasad S/o Shri Aman, R/o Tativa Bhagwant, Mauja—Chandan, Distt. Kanpur. (Transferor)
2. Teachers Housing Coop. Society Ltd., 77/1, Halsey Road, Kanpur. Through Shri Kripa Shanker Sengar, Secretary. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha, 1 Biswa at Mauja Daheli Sujanpur, Distt. Kanpur.

Date : 22-6-34

Seal :

निदेश नं० के०-377/83-84 :—अन्० मुझे ज० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000रु से अधिक है और जिसकी सं० 19055 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 30-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- प्रतिफल से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की तिन्हें भाग्नीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, लिपाने में सुविधा के लिए;

अन्. यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

- श्रीगती गामती देवी, पत्नी स्व० (अन्तर्क) श्री जगन्नाथ, नि० 90/104, राफितखाराबाद, कानपुर
- श्री अब्दुल वर्काल, पुत्र स्व० (अन्तरिती) श्री अब्दुल खलीफ़ नि० 93/22, गिरवी गाँड़, नई मड़क, कानपुर

वो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियों शुद्ध करता है। उक्त सम्पत्ति के अधीन अर्जन के सम्बन्ध में वोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तारीखन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आंशिक सम्पत्ति नं० 90/104, राफितखाराबाद, कानपुर
तारीख: 22-6-84

मोहर :

(जो लाग न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. K-377/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 30-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Gomti Devi, w/o Late Shri Jagannath, R/o 90/104 Ittikharabad, Kanpur.
(Transferor)
2. Abdul Wakil, s/o Late Shri Abdul Khalique, R/o 93/22, Rizvi Road, Nai Sarak, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Part Property No. 90/104, Ittikharabad, Kanpur.

Date . 22-6-84.

Seal :

निदेश नं. के-378/83-84.—अतः मुझे जैपी० हिलोरी॒
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-ब्र के अधीन सदम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानवार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 19057 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुमूली में और पूर्ण रूप से

। बिंग है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कायालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिकल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिकल में, ऐसे दृष्टमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नालिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त आवनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री शिवराम बहादुर सक्सेना (अन्तरक) 120/296, लाजपत नगर, कानपुर
2. श्रीमति जूलसी देवी अग्रवाल, पर्सी (अन्तरिती) श्री कृष्ण चन्द्र अग्रवाल, 110/118, रामकृष्ण नगर, कानपुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में लगाप्स होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध लिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मा० ना० 120/296, नारायणपुरवा, कानपुर।

तारीखः 22-6-84

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. K-378/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 26-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Ram Bahadur Saxena, 120/296, Lajpat Nagar, Kanpur. (Transferor)
2. Smt. Tulsa Devi Agrawal, w/o Sri Krishna Agrawal 110/118, Ram Krishna Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 120/296, Narainpurwan, Kanpur.

Date : 22-6-84.

Seal :

निम्नलिखित नं० के-379/83-84.—अतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 19113 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-9-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अन्तरकों में सुविधा के लिए झोर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, लिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्दा देवी, पत्नी स्व० (अन्तरक)
श्री राम प्रसाद, 74/116, धनकुट्टी
कानपुर
2. श्रीमती तारा देवी, पत्नी श्री हरी शंकर (अन्तरिती)
एवं अन्य, 130L-1/198,
बगाही, कानपुर

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पूरता से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर र उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 17/116 जो कि 120 वर्ग गज पर बनी है।

तारीख: 22-6-84

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. K-379/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Chanda Devi, w/o Late Shri Ram Prasad, 74/116, Dhankutti, Kanpur.
(Transferor)
2. Smt. Tara Devi, w/o Shri Hari Shanker & others, 130L-1/198, Bagam, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 17/116 measuring 120 sq. yds.

Date : 22-6-84.

Seal :

कानपुर, 23 जून, 1984

नियेष नं० एम-1516/83-84.—अतः मुझे ज० पी० हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं० 8261 है तथा जो

खेड़ी सराय में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-83 को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित ही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वे अनुसारग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री बिजेंद्र सिंह व रणजीत सिंह (अन्तरक)
पुत्र भरत सिंह, निवासी - खेड़ी सराय
पो० जान सठ, जि०--मुजफ्फरनगर
2. श्री सुबेदार संतोष सिंह पुत्र (अन्तरिती)
सरदार लुद्दी सिंह
नि०--खेड़ी सराय
पो०--जानसठ
जि०--मुजफ्फरनगर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रावृद्धों और पदों का, जो आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेड़ी सराय, जानसठ, जि०--मुजफ्फरनगर

तारीख 23-6-84

मोहर

Kanpur, the 23rd June, 1984

Ref. No. M-1516/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 19-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Brijender Singh, Ranjeet Singh S/o Bhart Singh R/o Khari Saraya Pargana—Jansath Distt—Muzaffar Nagar
(Transferor)
2. Shri Subaydar Santosh Singh R/o Khari Saraya Post—Jansath Distt—Muzaffar Nagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30th days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Jan Sath—Muzaffar Nagar.

Date : 23-6-84.

Seal :

निवेश नं० एम-1533/83-84.—ग्रतः मुझे जै० पी० हीलोरो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सभीम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं० 3913 है तथा जो सुरेनगर गा० बाद में दियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-9-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अनुसरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरली पेंगर पुत्र स्वर्गीय सी० पी० वी० एस० पेंगर, वर्तमान निं०—२३ वसंत इनकलेव, न्यू दिल्ली
निं०—११ए/२५ डम्लू ई० ए०, करोल बाग; नई दिल्ली-५
(अन्तरक)

2. श्री राजेंद्र कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय हेम चन्द्र अय्याल मकान नं०-११७० छत्ता भद्र गोपाल, मालीबाड़ा चांदनी चौक, दिल्ली
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्वंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० सी-१८७, सूर्य नगर, नाजियाबाद

तारीख 23-६-८४
मोहर

Ref. No. M-1533/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more

fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 14-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Murlipayganr, S/o Late C.P.V.S. Pagar, R/o 11A/25 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-5, Present Address 23 Basant Enclave, New Delhi.

(Transferor)

2. Shri Rajender Kumar Gupta, S/o Late Shri Indra Chand Agarwal, R/o House No. 1170, Chhatta Madan Gopal, Maliwara, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. C-187 Surya Nagar Ghaziabad.

Date : 23-6-84.

Seal :

निवेश नं० एम-1534/83-84.—मतः मुझे, जे० पी० हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4002 है तथा जो दादरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908. (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-8-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया याया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब० के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब० की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आशा राम, सुरेश व रमेश, पुरुष
श्री तारीफ,
निवासी—आम मकानपुर (लोकी)
पो०—दादरी, जि० गाजियाबाद (अन्तरक)
2. श्री जंपाल सिंह सिसोदिया, पुरुष
खुश्याल सिंह, शिशा विहार सहकारी आवास समिति लि० रजिस्ट्री सं० 639
201, नेहरू नगर, III गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पुरु करता है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खेत नं० 582/2 ग्रा० मकनपुर दादरी गा० बा०

दिनांक : 23-6-84

मोहर :

Ref. No. M-1534/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 8-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Asha Ram, Suresh, Ramesh, S/o Shri Tarif, Village—Makanpur (Loni) Dadri, Distt—Ghaziabad.
(Transferor)
2. Shri Jaipal Singh Sisodia, S/o Khusyal Singh Siksha Vihar Sahkari Awash Samiti Ltd. Regd. No. 539, 201, Nehru Nagar III, Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 582/2, Village Makanpur, Dadri, Ghaziabad.

Date : 23-6-84.

Seal :

निम्न नं० एम-1537/83-84.—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है) कीधारा 269ब के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3938 है तथा जो हसनपुर भोबापुर में स्थित है और इससे उपाशम घनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उसन अधिनियम को धारा 269ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टेकचन्द, पुल छिदा
ग्रा०---हसनपुर भोवापुर, प्र०---नानो (दादरो)
डा०---मकनपुर, त्रि०-- गजियाबाद (अन्तरक)
2. श्री सचिव राजा विलियम जिह
आशा पुष्प विहार सहकारी आवास
समिति लि०, गा० बाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 176 हसनपुर भोवापुर गा० बाद

दिनांक : 23-6-84

मोहर :

Ref. No. M-1537/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 19-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Tek Chand, S/o Chhidda, Village-Hasanpur Bhowapur, Post-Makanpur, Distt. Ghaziabad.
(Transferor)
2. Raja Viliam Singh, Secretary, Asha Pusp Vihar Sahkari Samiti Ltd., Hasanpur Bhowapur, Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 176, Village Hasanpur, Bhowapur,
Ghaziabad

Date : 23-6-84.

Seal :

निदेश नं० एम-1544/83. 84:—प्रतः मुझे, जे० पी० हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269ब० के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10658 है तथा जो हापुर रोड, मेरठ में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मद्देश चन्द्र, पुत्र श्री हरदारी लाल वैश्य साकिन 752/9-बी-18 मुहल्ला नम्हपुरी, शहर मेरठ (अन्तरक)
2. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी परमामन्द गुप्ता साकिन-176, नवन गाँव वैस्टर्न क्लचहरी रोड, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां पूर्ण करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुसैन कालीनी हापुड़ रोड, मेरठ

तारीख : 23-6-84

मोहर :

Ref. No. M-1544/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Mahesh Chand, S/o Shri Hardwari Lal Vash, 752/9-B-18 Mohalla Brahampuri, Meerut City.
(Transferor)
2. Shrimati Shanti Devi, W/o Shri Parmanand Gupta, 176 Nandan Garden, Western Kachahari Road, Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 176 Nandan Garden,
Western Kachahari Road,
Meerut.

Dated : 23-6-84.

Seal :

निवेश नं० एम० 77/84-85:—अतः मुझे जे० पी० हीलिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खं के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 4994 है तथा जो मन्डी बागपत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में भी और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-83 को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित घटनियों, अर्थात् :—

1. श्री मन्ना राम पुत्र विश्वास बागपत प्रबंधक राधा दामोदर चंद जी महाराज भन्दीर ठाकुर द्वारा मन्डी-बागपत

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार कर्णवाल, पुत्र राजा-राम व मान सिंह, पाल सिंह पुत्र भौले निं० मन्डी बागपत, राजीव कुमार गुप्ता पुनर स्थ प्रकाश ९६ नई बस्ती गा० बाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 1207 मण्डी बागपत

तारीख : 23-6-84

मोहर :

Ref. No. M-77/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagpat on 6-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Mansha Ram Shai, R/o Mandi Bagpat Prabhandhak Radha Damodar Chand Ji Maharaja Mandir Thakur Dwara Mandi, Bagpat.
(Transferor)
2. Shri Rajender Kumar Karanwal, S/o Raja Ram & Man Singh Pal Singh S/o Mowlay, R/o Mandi Bagpat, 96 Nai Basti, Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 1207 Sq. Yard, Mandi Bagpat,
Ghaziabad.

Date : 23-6-84.

Seal :

कानपुर, 14 जून, 1984

निदेश नं० एम० 69/84-85 :—अतः मुझे जो० पी० हीलोरी, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) को धारा 269 व्य के अधिन समक्ष प्राप्तिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 19456 है तथा जो गाजियाँ-बाद में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय गाजियाँबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निश्चित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाचन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुविधा के लिये,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व्य के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व्य को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री शान्ती महाप सैन पुत्र धरित राम (अन्तरक) निं० डी० 378 (772) मांगी बाग, नई दिल्ली ।

2. श्रीमती पूजा देवी पल्ली श्री मुद्रणन लाल (अन्तरिती) गुप्ता निं० ई० 5/34 कृष्णा नगर, दिल्ली नं० 51

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बढ़ भीतर समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रशुक्त गज्जों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिमार्पित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

माहान नं० आर० 13/27 राज नगर कालानी, गाजियाबाद
तारीख : 14/6/84

मोहर:

[जो लागू न हो उसे काट दीजिये]

Kanpur, the 14th June, 1984

Ref. No. M-69/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shrimati Shanti Sroop Sain, S/o Shri Dhirat Ram, R/o D-378(772) Moti Bagh-1, New Delhi.
(Transferor)
2. Shrimati Puspa Devi, W/o Shri Sudarshan Lal Gupta, R/o E 5/34 Krisna Nagar, Delhi-51.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. R-13/27 Raj Nagar Colony,
Ghaziabad.

date : 14-6-84.

Seal :

निदेश नं० एम० 1662/83-84--प्रतः मुझे जै० पी० हीलोरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B के अधीन सम्भव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- में अधिक है और जिसकी सं० 6976 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) भी अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्यों से गुप्त प्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

इतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के प्रन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

1. श्रीमती शहर केशवरी कौल पत्नी श्री औ० एन० कौल निं० रानी कुटीर टाप दी डिवनी लाइफ सोसाइटी शिवा नन्द आश्रम पौ० शिवा नन्द नगर, अृषि केण टेहरी गढ़वाल।
(प्रन्तरक)

2. मोहिन्द सिंह पुजू एस० राम सिंह निं० 1 ए गोविन्द गढ़, देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांडी भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 तेग बहादुर रोड, देहरादून

तारीख 14-6-84

मोहर:

[जो लागू न हो उसे काट दीजिये]

Ref. No. M-1662/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 5-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shrimati Shar Keshwari Kaul, W/o Shri B. N. Kaul, R/o Rani Kutir Top, the Divine Life Society, Shivanand Ashram, P.O. Shivanand Nagar, Rishi Kesh Distt. Tehri Garhwal.
(Transferor)
2. Shri Mohinder Singh, S/o S. Ram Singh, R/o 1-A Govind Garh, Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

27, Teg Bahadur Road, Dehradun.

Date : 14-6-84.

Seal :

कानपुर, 20 जून, 1984

निर्देश नं० एम- 1547/83-84.—अतः मुझे जै० पी० हिलोरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है और जिसकी सं० 10668 है तथा जो 213 सोतीगंज मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ व रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुभाष कुमार गोयल पुन्न स्व० बाबू निरन्जन प्रकाश गोयल
निं०-213, सोती गंज, शहर, मेरठ (अन्तरक)
2. श्री पद्माम चिहारी लाल अग्रवाल
पूर्ण स्व० थी नरोत्तम दास जी
मोदी नगर, शहर मेरठ
213, बाके सोती गंज, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

मकान नं० 213, सोती गंज, मेरठ

तारीख : 20-6-84

मोहर :

Kanpur, the 20th June, 1984

Ref. No. M-1547/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Subhash Kumar Goil, S/o Late Babo Neranjan Prakash Goil, R/o 213 Soti Ganj, Meerut.
(Transferor)
2. Shri Shayam Behari Lal Agarwal, S/o Late Shri Narotamdas Jee, R/o Modi Nagar, Meerut City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 213, Soti Ganj, Meerut.

Date : 20-6-84.

Seal :

कानपुर, 25 जून, 1984

निर्देश नं० एम० 1905/83-84 :—अतः मुझे ज० पी० हीलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 5143 है तथा जो वसौद-बागपत में स्थित है (वाँ इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बागपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन

कर देने के अन्तरक के दावित्व में कर्मी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/गा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ख के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गोपीं चन्द दीप चन्द लखीम चन्द पुत्र विद्या सिंह, सा० कर्माली, वडोंत-बागपत पं० खास, जिला—मेरठ (अन्तरक)
2. श्री हरदेव सिंह पुत्र विद्यान-सिंह जधराम सिंह, ब्रह्म प्राप्त धन, हरदेव सिंह सा० जोना पुर, नई दिल्ली-50 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हूँ उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस भूचाल के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रथम शब्द और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

छ० नं० 584, 582 वाके वसौद प्र० व ता० बागपत, मेरठ

तारीख : 25-6-84

मोहर :

Kanpur, the 25th June, 1984

Ref. No. M-1905/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagpat on 15-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Gopi Chand, Man Chand, Lakhmi Chand, S/o Vidha Singh, Village Kanawali, Badot, Post Khar, Distt. Meerut.
(Transferor)
2. Shri Hardan Singh, S/o Dewan Singh, Jai Ram Singh, Brahm Prakash, S/o Hardan Singh, Jonapur, New Delhi-50.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Kh. No. 584, 582, R/o Vasad, Bagpat.

Date : 26-6-84.

Seal :

निदेश नं० एम०-1851/83-84.—अतः मुझे जै० पी० ही० सोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 4935 है तथा जो निवाड़ा, मेरठ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूलो में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय बागपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक्त (अन्तरक्तों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से दृढ़ किसी भाय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक्त के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या विसी धन या अन्य नामितयों जी जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा, 269ग के अनुसार मैं मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्रीमती जनदा व जुवेदा पुर्णी अलीमुद्दीन
द्वारा प्र० व ता० बागपत, मेरठ (अन्तरक्त)
2. श्री खलील अहमद व जमील अहमद,
पुत्र अलीमुद्दीन, निवाड़ा, बागपत,
मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी वर्तके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायेवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा,

(x) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ख. ० नं. ६०५ वाके निवादा जि.० मेरठ

तारीख . 25-6-84

मोहरः

जे.० पी.० हिलोरी, सशम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेज, कानपुर

Ref. No. M-1891/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDELE situated at AS PER SCHEDELE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagpat on 2-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shrimati Januda, Jubeda, D/o Alimuddeen, R/o Newada, Bagpat, Meerut.
(Transferor)
2. Shri Khalil Ahmad, Jameel Ahmad, S/o Ali-muddin, R/o Newada, Bagpat, Distt. Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Kh. No. 605, Newada, Meerut.

Date : 25-6-84.

Seal :

J. P. HILORI, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur